

CONTENTS

S. No.	Title	Source	Page No.
DRDO News			1-2
1	मिसाइलों को मिलेगी ताकत, एसएफडीआर का सफल परीक्षण	<i>Dainik Jagran</i>	1
2	India Enters elite group with successful missile tech test	<i>The Hindu</i>	2
Defence News			3-7
3	अंतर्राष्ट्रीय फ़्लीट रिव्यू में शामिल होगा 'विक्रांत'	<i>NavBharat Times</i>	3
4	तीनों सेनाओं के लिए इटली की कंपनी के साथ हेलीकॉप्टर का निर्माण करेगा अदानी ग्रुप	<i>Dainik Jagran</i>	4
5	Adani, Italian firm link pact for military copters	<i>The Tribune</i>	4
6	HAL out of race for India's fifth-gen stealth fighter	<i>Hindustan Times</i>	5
7	US deal to fast track military tech projects	<i>The Tribune</i>	7

DRDO News

मिसाइलों को मिलेगी ताकत, एसएफडीआर का सफल परीक्षण

Source: Dainik Jagran, Dt. 04 Feb 2026

जागरण संवाददाता, बालेश्वर: भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी रक्षा क्षमता को नई ऊंचाई देते हुए मंगलवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सालिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) तकनीक का सफल उड़ान परीक्षण किया। इस उपलब्धि के साथ भारत अब अमेरिका, रूस, चीन व फ्रांस जैसे उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया, जिनके पास अत्याधुनिक हाई-स्पीड मिसाइल प्रणोदन तकनीक मौजूद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता को आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

डीआरडीओ अध्यक्ष एवं रक्षा अनुसंधान विभाग के सचिव डा. समीर वी कामत ने कहा कि यह

उपलब्धि भारत की भविष्य की मिसाइल शक्ति को और मजबूत करेगी और देश की सामरिक सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करने वाली

साबित होगी। परीक्षण के दौरान नोजल-रहित बूस्टर, सालिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट मोटर और अत्याधुनिक फ्यूल फ्लो कंट्रोल सिस्टम सहित सभी

प्रमुख उप-प्रणालियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्राउंड बूस्टर मोटर ने मिसाइल को आवश्यक मैक गति तक पहुंचाया,

जिसके बाद रैमजेट प्रणाली सक्रिय होकर संचालित हुई। उड़ान के दौरान प्राप्त सभी आंकड़ों को चांदीपुर में तैनात रडार से रिकार्ड किया गया।

● हाई-स्पीड मिसाइल प्रणोदन तकनीक हासिल करने वाले गिने-चुने देशों में भारत शामिल

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में बताया ऐतिहासिक कदम



ओडिशा के चांदीपुर परीक्षण केंद्र पर मिसाइल की एसएफडीआर तकनीक के परीक्षण का दृश्य ● स्रोत: डीआरडीओ

मिसाइलों में एसएफडीआर तकनीक क्यों है खास

- एसएफडीआर तकनीक विशेष रूप से लंबी दूरी की वायु-से-वायु मिसाइलों के लिए विकसित की गई है।
- यह पारंपरिक प्रणालियों की तुलना में अधिक गति, बेहतर मारक क्षमता और लंबी रेंज प्रदान करती है।
- इस प्रणाली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह उड़ान के दौरान निरंतर थ्रस्ट देती है, जिससे लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है।

*

India Enters elite group with successful missile tech test

Source: *The Hindu*, Dt. 04 Feb 2026



The Defence Research and Development Organisation successfully carried out the flight demonstration of Solid Fuel Ducted Ramjet technology from the Integrated Test Range, Chandipur, off the coast of Odisha, on Tuesday. The test was conducted at around 10.45 a.m. According to the Ministry of Defence, with this achievement, India has entered an elite group of nations possessing SFDR technology, a critical capability for the development of long-range air-to-air missiles that significantly enhance combat effectiveness and provide a decisive tactical edge against adversaries. Defence Minister Rajnath Singh congratulated DRDO and the Indian industry partners on the successful demonstration, describing it as a major milestone in the country's missile development programme.

*

Defence News

अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में शामिल होगा 'विक्रांत'

Source: NavBharat Times, Dt. 04 Feb 2026

■ नई दिल्ली: ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन नेवी ने 'साइलेट' रहकर अपना रोल इस तरह निभाया कि पाकिस्तान के पास मौजूद सीमित वॉरशिप भी अपने हार्बर से बाहर नहीं आ पाए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इंडियन नेवी की अरब सागर में फॉरवर्ड तैनाती थी और नेवी का कैरियर बैटल ग्रुप वहां तैनात था। अब इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में दुनिया नेवी के कैरियर बैटल ग्रुप की ताकत देखेगी। इसी महीने होने वाले इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में भारत का पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत अपने कैरियर बैटल ग्रुप के साथ शामिल होगा।

18 फरवरी को विशाखापत्तनम में आर्म्ड फोर्सेस की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू करेगी। रिव्यू करने के लिए स्वदेशी नेवल ऑफशोर पेट्रोल वेसेल INS सुमेधा को प्रेजिडेंट यॉट बनाया गया है।

137 देशों को न्योता, 60 देश वॉरशिप के साथ हिस्सा लेंगे

कैरियर बैटल ग्रुप में एयरक्राफ्ट कैरियर के चारों तरफ सबमरीन भी होती है, साथ ही 8 से 10 वॉरशिप भी इसका हिस्सा होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन नेवी का दबाव इतना ज्यादा था कि पाकिस्तान ने समंदर में कोई हरकत करने की सोची भी नहीं। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट भी शामिल होगा। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के लिए नेवी ने दुनिया के कुल 137 देशों को न्योता दिया है। इसमें 60 से ज्यादा देशों ने

अपने वॉरशिप के साथ हिस्सा लेने पर सहमति दी है।

पहला इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू (IFR) साल 2001 में किया गया था। तब राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने INS सुकन्या से फ्लीट का निरीक्षण किया था। उस फ्लीट रिव्यू में 20 देशों के 97 वॉरशिप शामिल हुए थे जिनमें 73 भारतीय और 24 विदेशी वॉरशिप थे। IFR का दूसरा एडिशन विशाखापत्तनम में साल 2016 में आयोजित किया गया था।



पता चलता है कितनी तैयारी

इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के साथ ही नेवी हर चार-पांच साल में भी इंडियन फ्लीट रिव्यू भी कराती है। इसमें राष्ट्रपति को दिखाया जाता है कि नेवी की क्या क्षमता है, सीमा की रक्षा के लिए कितना तैयार

NBT
Lens
खबरों के अंदर की बात

है। पिछली बार नेवी का प्रेजिडेंट फ्लीट रिव्यू 2022 में हुआ था। जहां गणतंत्र दिवस परेड

में राष्ट्रपति एक जगह पर खड़े रहकर सलामी लेते हैं, वही फ्लीट रिव्यू में सभी शिप एक स्थिर रहते हैं। राष्ट्रपति का शिप मूव करते हुए इनके पास से गुजरता है। राष्ट्रपति फ्लीट का मुआयना करते हैं।

*

तीनों सेनाओं के लिए इटली की कंपनी के साथ हेलीकॉप्टर का निर्माण करेगा अदानी ग्रुप

Source: Dainik Jagran, Dt. 04 Feb 2026

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड अब इटली की चर्चित कंपनी लियोनार्डो हेलीकॉप्टर्स के साथ संयुक्त साझेदारी में थल सेना, वायुसेना व नौसेना के लिए हेलीकॉप्टरों का निर्माण करेगी। केंद्रीय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में आत्मनिर्भर भारत के सरकार के लक्ष्यों के अनुरूप इन दोनों कंपनियों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए मंगलवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान अदाणी समूह ने एलान किया कि लियोनार्डो के साथ संयुक्त उपक्रम में सेनाओं के लिए पहला हेलीकॉप्टर भारत स्थित प्लांट से 2030 तक उड़ान भरने के लिए निकलेगा। यह घोषणा अदाणी एयरोस्पेस और ब्राजील की प्रमुख कंपनी एम्ब्रेयर द्वारा देश में एक क्षेत्रीय विमान निर्माण सुविधा स्थापित करने के उद्देश्य से किए गए रणनीतिक सहयोग की घोषणा के एक सप्ताह बाद आई है।

बहरहाल, रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में शत प्रतिशत



नई दिल्ली में समझौते के दौरान अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के अध्यक्ष आशीष राजवंशी (आगे बाएं) व एम्ब्रेयर कमर्शियल एविएशन के अध्यक्ष अर्जन मेयर। इस अवसर पर अदाणी डिफेंस के निदेशक जीत अदाणी (पीछे बाएं), केंद्रीय मंत्री के राम मोहन नायडू (मध्य) व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह (दाएं से दूसरे) मौजूद रहे • आइएनएस

आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। मगर, आयात को बिल्कुल न्यूनतम किया जा सके, इस पर सरकार का जोर है। इस दृष्टि से इन दोनों कंपनियों की संयुक्त भागीदारी में भारत में हेलीकॉप्टर निर्माण की यह पहल भारत-यूरोपीय संघ की सुरक्षा तथा रणनीतिक साझेदारी के ताजा समझौते का प्रतिफल है। अदाणी डिफेंस के सीईओ आशीष राजवंशी और लियोनार्डो के प्रबंध निदेशक जियान पिएरो कुटिलो ने कहा कि यह उपक्रम केवल असंबली प्लांट नहीं

होगा, बल्कि हेलीकॉप्टर निर्माण, मरम्मत, रखरखाव से लेकर पायलट ट्रेनिंग - सब कुछ यहीं भारत में होगा। तीनों सेनाओं की जरूरतों को लक्षित करते हुए लियोनार्डो के एडवांस्ड एडब्लू169एम और एडब्लू109 ट्रेकरएम हेलीकॉप्टरों का निर्माण किया जाएगा। अदाणी डिफेंस एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि यह गठबंधन भारत में भविष्य के लिए हेलीकॉप्टर इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

*

Adani, Italian firm link pact for military copters

Source: The Tribune, Dt. 04 Feb 2026

Italy-headquartered aviation major, Leonardo, and the Adani Defence and Aerospace today announced a tie-up to make military helicopters in India. They bid for two separate helicopter requirements — one sought by the Navy and another sought for reconnaissance

and surveillance by the Army and the Indian Air Force.

The Ministry of Defence has floated two separate requirements that would result in procurement of 275 helicopters. One tranche is for 200 light reconnaissance and surveillance helicopters — 120 are for

the Army and 80 for the IAF. The second tranche is for 76 marine helicopters — 51 for the Navy and 25 for the Coast Guard. The Adani firm said it was pitching in the Leonardo's advanced AW169M and AW109 TrekkerM helicopters for the bids. — TNS

*

HAL out of race for India's fifth-gen stealth fighter

Source: Hindustan Times, Dt. 04 Feb 2026

Rahul Singh

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Hindustan Aeronautics Limited (HAL) has been knocked out of the race to develop India's fifth-generation stealth fighter jet or the AMCA (advanced medium combat aircraft) programme, the first time that the state-run aircraft maker will not be involved in one of the country's most significant military projects, officials aware of the matter said on Tuesday.

Of the seven consortia of public and private sector firms that bid for the programme last year, three have met the mandatory criteria and progressed to the next stage of the process involving the submission of cost bids for building five AMCA prototypes and one structural test specimen,



A mock-up of the AMCA, India's future stealth fighter jet. REUTERS

the officials added.

HAL bid for the programme with two smaller firms that did not meet the mandatory criteria, HT has learnt. Apart from HAL, those competing for the programme included Tata Advanced Systems Ltd, Adani Defence and

Aerospace, L&T with Bharat Electronics Limited, Goodluck India along with BrahMos Aerospace Thiruvananthapuram Ltd and Axiscades Technologies, and Bharat Forge Ltd in partnership with BEML Ltd and Data Patterns. →P9
→ADANI, LEONARDO INK CHOPPER DEAL, P9

NEW DELHI: Hindustan Aeronautics Limited (HAL) has been knocked out of the race to develop India's fifth-generation stealth fighter jet or the AMCA (advanced medium combat aircraft) programme, the first time that the state-run aircraft maker will not be involved in one of the country's most significant military projects, officials aware of the matter said on Tuesday.

Of the seven consortia of public and private sector firms that bid for the programme last year, three have met the mandatory criteria and progressed to the next stage of the evaluation process involving the submission of cost bids for building five AMCA prototypes and one structural test specimen, the officials added, asking not to be named.

HAL bid for the programme with two smaller firms that did not meet the mandatory criteria, HT has learnt. The names of the three players that will be issued requests for proposal for submitting their cost bids were not immediately known. The contract is expected to be awarded to the lowest bidder in three months.

Apart from HAL, those competing for the programme included Tata Advanced Systems Limited, Adani Defence and Aerospace, Larsen & Toubro (L&T) with Bharat Electronics Limited (BEL), Goodluck India along with BrahMos Aerospace Thiruvananthapuram Ltd and Axiscades Technologies, and Bharat Forge Ltd in partnership with BEML Ltd and Data Patterns.

The firms had responded to a call for expressions of interest (EoI) last June by the DRDO's Aeronautical Development Agency (ADA) to shortlist companies capable of building prototypes, supporting flight test and certification of the indigenous stealth fighter.

ADA invited EoI for the AMCA programme weeks after the defence ministry unveiled



A mock-up of the AMCA, India's future stealth fighter jet, at Aero India 2025 in Bengaluru.

REUTERS

its long-awaited plan to fast-track the development of the stealth fighter and announced that the execution model will be competitive and provide equal opportunities to public and private sector firms.

The approval of the industry partnership model last year by defence minister Rajnath Singh came at a critical moment as HAL, the sole manufacturer of fighter jets in the country, was until then believed to be the frontrunner for the programme.

The seven entities were first evaluated by a committee of senior DRDO (Defence Research and Development Organisation) officials and its findings were reviewed by a panel headed by defence secretary Rajesh Kumar Singh.

ADA is executing the programme through industry partnership. The EoI laid down that shortlisted firms must be capable of setting up a manufacturing facility for the series production of AMCA, and the duration of the contract for development, prototyping, flight test and certification should not exceed eight years.

The first prototype is expected to make its maiden flight in 2029, and AMCA's development is likely to be completed by 2034 before it enters production a year later, as previously reported by HT.

Speeding up the AMCA programme is critical as China has already deployed the J-20 fifth-generation fighters, is rolling out the J-35 stealth fighters that Pakistan is looking at buying, and has tested two so-called sixth-generation platforms designated J-36 and J-50.

In 2024, the Cabinet Committee on Security approved the AMCA's design and prototype development at a cost of around ₹15,000 crore.

IAF's modernisation map envisages the deployment of around 120 stealth fighters (six squadrons) 2035 onwards, with the advanced planes forming an important element of future air combat.

The first two squadrons will consist of the Mk-1 version powered by the American F-414 engines, while the rest will have the more advanced Mk-2 version equipped with an even more powerful engine to be built in India with French collaboration.

The government is likely to soon approve a joint project involving French firm Safran and India's Gas Turbine Research Establishment (GTRE), a lab under DRDO, to develop and produce a 120-kilonewton thrust class engine to power AMCA. The Safran-GTRE combine, HT learns, will develop nine prototypes in a time frame of 12 years, with 100% transfer of technology and intellectual property rights to India.

The EoI for AMCA stated that an applicant may be a single company, joint venture or a consortium. The qualifying terms and conditions related to the financial performance of companies in the EoI issued by ADA are such that it will be very tricky for HAL to go it alone, HAL chief DK Sunil said in an interview to HT last year.

"There are clauses that have loaded the dice against HAL. The EoI says if a company's order book is three times its turnover, then it will get zero marks. In HAL's case, it is almost 8X. It means someone who has fewer orders will get more marks. I don't know why they have done this. Still, we will go with some partnerships and pursue the project," Sunil said at the time.

HAL officials, who spoke on condition of anonymity, said they were not aware of the matter.

*

US deal to fast track military tech projects

Source: The Tribune, Dt. 04 Feb 2026

AJAY BANERJEE

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, FEBRUARY 3

The announcement of the much-awaited trade deal between India and the US augurs well for the military technology sector as several of New Delhi's ongoing military projects hinge upon better ties with Washington DC.

New Delhi is commercially committed to US-origin supplies of engines needed for fighter jets. Since the India-US relations soured last year, supplies of engines for Tejas Mark1A fighter jets have been delayed. It also ignited fears of the promised transfer of technology for engines to make the next-generation fighter jet Tejas Mark 2, not fructifying.

Both the projects are vital as public sector plane maker Hindustan Aeronautics Limited (HAL) is scheduled to



SOURD RELATIONS HIT TEJAS PRODUCTION

The supply of engines for Tejas Mark1A have been delayed since the India-US relations soured last year. It also ignited fears of the promised transfer of technology for engines to make the next-generation fighter jet, Tejas Mark 2, not fructifying

produce more than 500 jets using US-made engines.

India-US technology cooperation is at a crucial stage. The US in June 2023 agreed on technology transfer and a joint venture to produce the General Electric's F-414 aero-engine in collaboration. The upcoming Tejas Mark-2 fighter jet was planned and designed

around the specifications of the GE F-414 engine, the first flight of the jet is slated in early 2026.

In New Delhi, an uncertainty existed as the transfer of technology from GE to HAL would need a nod from the US administration. The improved ties could help, said a source.

A ToT on engine would define the trajectory of

India-US military-technology partnership over the next 4-5 decades. Also India is facing a delay in supplies of contracted equipment of the GE F404 engines needed for the Tejas Mark1-A fighter jet. In July last year, Defence Minister Rajnath Singh asked his US counterpart Pete Hegseth to fast-track the delivery.

The delay in supplies of F404 engines has set back the delivery schedule of the jet. HAL is producing 180 planes for the Indian Air Force. Deliveries of the plane were to start in March 2024, and the engines should have come before that date, however, as off today, the GE has been able to deliver only six engines.

Prior to the trade deal announcement, the US had made two policy statements, pressing for expanded

“defence and military” ties with India. In December, the US administration, while okaying the National Defence Authorisation Act (NDAA), spoke about ‘expanding engagement’ with India in 2026, including through the Quad. Also last month, the US ‘national security strategy’ mentioned the strategic role of India in the US calculus for maintaining equilibrium vis-a-vis China in the disputed waters of the South China Sea.

The US-India military-technology relationship started two decades when both opened up to each other post the Cold War. New Delhi has been buying cutting-edge military equipment — largely planes and copters — and from the US. However, co-developing and co-manufacturing with the US, is a promise that remains unfulfilled.

*

The Tribune
The Statesman
ਪੰਜਾਬ ਕੇਸਰੀ ਜਨਸੱਤਾ
The Hindu
The Economic Times
Press Information Bureau
The Indian Express
The Times of India
Hindustan Times
नवभारत टाइम्स
दैनिक जागरण
The Asian Age
The Pioneer